नपुर, गुरुवार 14 अक्टूबर, 2021
नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य 2.50 रुपया
हिंदी जगत में सर्वाधिक लोकप्रिय
वाराणसी | गोरखपुर | प्रयागराज
कानपुर (झांसी) | लखनऊ
आगरा | बरेली | पटना
रांची (धनबाद संस्करण)
जमशेदपुर
online Edition
www.ajhindidaily.com

आज

10 शार्दूल ठाकुर
टी-20 विश्वकप टीम इंडिया में शामिल

मोनालिसा 12
जिंदगी में बहुत ट्रोल सेना पड़ा है

तापमान
अधिकतम 34.5 डि.से.
न्यूनतम 25.8 डि.से.
आर्द्रता- 75-65%

खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के लिए कृषिवानिकी का योगदान महत्वपूर्ण है: अरूणाचलम

(आज समाचार सेवा)

झांसी, १३ अक्टूबर। केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झाँसी में आज आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत एक विचार मंच का आयोजन, विश्व खाद्य दिवस (16 अक्टूबर के उपलक्ष्य में) डॉ. बी. पी. भट्ट, प्रधान वैज्ञानिक, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन विभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली एवं पूर्व निदेशक आई.सी.ए.आर. संस्थान, पटना (बिहार) के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। अपने उद्बोधन में डॉ. बी. पी. भट्ट ने कहा कि संस्था के विकास में हम जो कार्य करते हैं उसमें तीन प्रश्न करने चाहिये, प्रथम हम यह कार्य क्यों करना चाहते हैं, द्वितीय इसका व्यवहारिक उपयोग क्या है तथा तृतीय यह कार्य संस्था के उद्देश्य को पूरा कर सकता है या नहीं। उन्होंने अपनी सोच में बदलाव ला कर संस्था को अपनत्व के भाव से जोड़ना उचित बताया।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि। छाया–आज

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये संस्थान के निदेशक डॉ. ए. अरूणाचलम ने कहा कि खाद्य एवं पोषण सुरक्षा हेतु कृषिवानिकी का योगदान महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि दक्षिण एशिया में स्थित यह संस्थान भारत का एक मात्र कृषिवानिकी संस्थान है, जो कि अखिल भारतीय परियोजना के तहत पूरे देश में किसान भाईयों को लाभान्वित कर रहा है।

कार्यक्रम की शुरूआत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के कुलगीत से की गयी। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. आर. पी. द्विवेदी ने मंचासीन अतिथियों एवं सभागार में उपस्थित संस्थान के समस्त कार्मिकों का स्वागत किया तथा विचार मंच के माध्यम द्वारा विश्व खाद्य दिवस के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी एवं सभागार में उपस्थित श्रोंताओं से यह नारे जैसे 'लकड़ी चारा फल और अन्, कृषिवानिकी है जीवन' तथा 'कृषिवानिकी - एक जीवन दायनी' लगवाये।

कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिक, अधिकारी तथा कर्मचारीगण सम्मिलित रहे तथा श्रोंताओं की तरफ से भी विचार मंच में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया गया।

विचार मंच का संचालन डॉ. आर. पी. द्विवेदी एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुशील

शार्दुल ठाकुर टी-20 विश्व कप टीम में शामिल
पेज-14

राष्ट्रीय सहारा
राष्ट्रीयता ■ कर्तव्य ■ समर्पण
■ कानपुर ■ नई दिल्ली ■ लखनऊ ■ गोरखपुर ■ पटना ■ देहरादून ■ वाराणसी से प्रकाशित
कानपुर
बृहस्पतिवार ● 14 अक्टूबर ● 2021
पृष्ठ 16, मूल्य ₹ 3.00

सराफा दिल्ली सोना (प्रति 10 ग्राम) ₹ 46,329 | चांदी (प्रति किलो) ₹ 60,788 | शेयर सेंसेक्स 60,737.05 + 452.74 | निफ्टी 18,161.75 +169.80 | विनिमय दर ₹/$ 75.37 + 0.15 | मौसम (कानपुर) तापमान अधिकतम 34.5° | न्यूनतम 25.8°

अपने संस्थान के साथ अपनत्व स्थापित करें : डॉ. भट्ट

केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान में विचार मंच आयोजित

झांसी (एसएनबी)। केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान में 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अन्तर्गत एक विचार मंच का आयोजन, विश्व खाद्य दिवस डॉ. बीपी भट्ट, प्रधान वैज्ञानिक, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन विभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली एवं पूर्व निदेशक आईसीएआर संस्थान, पटना (बिहार) के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। अपने उद्बोधन में डॉ. बीपी भट्ट ने कहा कि संस्था के विकास में हम जो कार्य करते है उसमें तीन प्रश्न करने चाहिये, प्रथम हम यह कार्य क्यों करना चाहते है, द्वितीय इसका व्यवहारिक उपयोग क्या है तथा तृतीय यह कार्य संस्था के उद्देश्य को पूरा कर सकता है या नहीं। उन्होंने अपनी सोच में बदलाव ला कर संस्था को अपनत्व के भाव से जोड़ना उचित बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये संस्थान के निदेशक डॉ. ए. अरूणाचलम ने कहा कि खाद्य एवं पोषण सुरक्षा हेतु कृषिवानिकी का योगदान महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि दक्षिण एशिया में स्थित यह संस्थान भारत का एक मात्र कृषिवानिकी संस्थान है, जो कि अखिल भारतीय परियोजना के तहत पूरे देश में किसान भाईयों को लाभान्वित कर रहा है। कार्यक्रम की शुरूआत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के कुलगीत से की गयी। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. आरपी द्विवेदी ने मंचासीन अतिथियों एवं सभागार में उपस्थित संस्थान के समस्त कार्मिकों का स्वागत किया तथा विचार मंच के माध्यम द्वारा विश्व खाद्य दिवस के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी एवं सभागार में उपस्थित श्रोंताओं से यह नारे जैसे 'लकड़ी चारा फल और अन्न, कृषिवानिकी है जीवन' तथा 'कृषिवानिकी - एक जीवन दायनी' लगवाये। कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिक, अधिकारी तथा कर्मचारीगण सम्मिलित रहे तथा श्रोताओं की तरफ से भी विचार मंच में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया गया। विचार मंच का संचालन डॉ. आरपी द्विवेदी एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुशील कुमार यादव ने किया।

झांसी, लखनऊ, आगरा, गुना, सतना, रीवा, भोपाल व ग्वालियर से एक साथ प्रकाशित

स्वदेश ग्वालियर समूह का स्वर्ण जयंती वर्ष

www. swadeshnews.in

1971-2021 50 स्वदेश ग्वालियर समूह

स्वदेश

• झांसी • गुरुवार 14 अक्टूबर 2021, आश्विन शुक्लपक्ष-9 • संवत् 2078,• युगाब्द 5123 • वर्ष : 23 • अंक : 103 • मूल्य 3.00 रु. • पृष्ठ 12

सत्य और कड़वा बोलने वालों को कभी भी अपना शत्रु न समझें। वास्तव में यही आप के सच्चे मित्र हैं।

● अज्ञात

कृषिवानिकी का खाद्य एवं पोषण सुरक्षा में योगदान महत्वपूर्ण

झांसी। केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झाँसी में ''आजादी का अमृत महोत्सव'' के अन्तर्गत एक विचार मंच का आयोजन, विश्व खाद्य दिवस डॉ. बी. पी. भट्ट, प्रधान वैज्ञानिक, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन विभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली एवं पूर्व निदेशक आई.सी.ए.आर. संस्थान, पटना (बिहार) के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। अपने उद्बोधन में डॉ. बी. पी. भट्ट ने कहा कि संस्था के विकास में हम जो कार्य करते हैं उसमें तीन प्रश्न करने चाहिये, प्रथम हम यह कार्य क्यों करना चाहते हैं, द्वितीय इसका व्यवहारिक उपयोग क्या है तथा तृतीय यह कार्य संस्था के उद्देश्य को पूरा कर सकता है या नहीं। उन्होंने अपनी सोच में बदलाव ला कर संस्था को अपनत्व के भाव से जोड़ना उचित बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये संस्थान के निदेशक डॉ. ए. अरूणाचलम ने कहा कि खाद्य एवं पोषण सुरक्षा हेतु कृषिवानिकी का योगदान महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि दक्षिण एशिया में स्थित यह संस्थान भारत का एक मात्र कृषिवानिकी संस्थान है, जो कि अखिल भारतीय परियोजना के तहत पूरे देश में किसान भाईयों को लाभान्वित कर रहा है। कार्यक्रम की शुरूआत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के कुलगीत से की गयी। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. आर. पी. द्विवेदी ने मंचासीन अतिथियों एवं सभागार में उपस्थित संस्थान के समस्त कार्मिकों का स्वागत किया तथा विचार मंच के माध्यम द्वारा विश्व खाद्य दिवस के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी एवं सभागार में उपस्थित श्रोंताओं से यह नारे जैसे ''लकड़ी चारा फल और अन्न कृषिवानिकी है जीवन'' तथा ''कृषिवानिकी - एक जीवन दायनी'' लगवाये। संचालन डॉ. आर. पी. द्विवेदी एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुशील कुमार यादव ने व्यक्त किया।